

डॉ. रोजर ग्रीन, अमेरिकी ईसाई धर्म, सत्र 1, अमेरिका में प्यूरिटनवाद

© 2024 रोजर ग्रीन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रोजर ग्रीन द्वारा अमेरिकी ईसाई धर्म पर दिए गए उनके व्याख्यान हैं। यह सत्र 1 है, अमेरिका में प्यूरिटनवाद।

यह पाठ्यक्रम का पहला भाग है, औपनिवेशिक संदर्भ में धर्म, 1492 से 1789 तक।

हम व्याख्यान एक, अमेरिका में प्यूरिटनवाद के बारे में बात करने जा रहे हैं। ठीक है, आइए प्रार्थना करें, और फिर हम शुरू करेंगे। हमारे दयालु भगवान, हम इस सेमेस्टर की शुरुआत में और इस कोर्स की शुरुआत में आपको धन्यवाद देने के लिए रुकते हैं, न केवल इस कोर्स के लिए बल्कि हमारे सभी पाठ्यक्रमों के लिए, जो कुछ भी हमें सीखना है, उसके लिए, और हम प्रार्थना करते हैं कि आप इन विचार-विमर्शों में हमारे साथ रहें।

हम उन पुरुषों और महिलाओं के लिए आपका धन्यवाद करते हैं जिन्होंने अमेरिकी ईसाई धर्म को आकार दिया, ईसाई धर्म की इस अनूठी अभिव्यक्ति को, और हम उनके प्रति आभारी हैं। और हम प्रार्थना करते हैं कि हम उनसे सीख सकें कि हमारे समय में, हमारे संसार में ईसाई होने का क्या अर्थ है, और हमारे संसार में चर्च को आकार देने के लिए, हमारी संस्कृति में चर्च को आकार देने के लिए। इसलिए हम उनके कंधों पर खड़े होने और उनसे सीखने के लिए आभारी हैं।

इसलिए हम आपसे आज हमारी कक्षा में, साथ ही गॉर्डन कॉलेज में रोज़मर्रा की ज़िंदगी में, पूरे दिन और पूरे सप्ताहांत में हमारे रोज़मर्रा के जीवन में आपके हस्तक्षेप की माँग करते हैं, ताकि हम अपने जीवन में अनुग्रह प्रदर्शित कर सकें, लेकिन समुदाय के जीवन में भी अनुग्रह प्रदर्शित कर सकें। हम ये बातें हमारे प्रभु मसीह के नाम पर खुशी से प्रार्थना करते हैं। आमीन।

ठीक है, जैसे-जैसे हम यहाँ आगे बढ़ रहे हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमारे पास बहुत सारे सवाल होंगे। ओह, मैंने दूसरे दिन बताया था कि मेरे मित्र टेड हिल्डेब्रांट, मेरे मित्र और सहकर्मी टेड हिल्डेब्रांट, यह कोर्स कर रहे हैं, लेकिन हम इसे पूरी तरह से अनदेखा करने की कोशिश करेंगे, अगर यह ठीक है, टेड, और इससे आपको सवाल पूछने में बाधा नहीं आनी चाहिए। इससे मुझे घूमने में बाधा नहीं आनी चाहिए।

यह एक तरह से तय है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि हम इस बारे में ज़्यादा कुछ कर सकते हैं। लेकिन मुझे थोड़ा घूमना-फिरना पसंद है, इसलिए टेपिंग पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। और जैसे-जैसे आप सवाल पूछते हैं, जैसे-जैसे हम एक-दूसरे को जानना शुरू करते हैं, क्या आप सवाल पूछते समय या कोई टिप्पणी करते समय मुझे अपना नाम बताएंगे? मुझे अभी कोर्स के लिए इन नामों और चेहरों को एक साथ रखना शुरू करना है, और यह आपके लिए एक-दूसरे के नाम जानने का एक तरीका भी है।

ठीक है, तो हम शुरू करते हैं। भाग एक, औपनिवेशिक संदर्भ में धर्म, तो व्याख्यान एक, अमेरिका में प्यूरिटनवाद। ठीक है, तो प्यूरिटनवाद इन तटों पर आता है।

ठीक है, मैं जेम्सटाउन, वर्जीनिया में कॉलोनी के बारे में बात करना शुरू करना चाहता हूँ। जेम्सटाउन में कॉलोनी की स्थापना 1607 में हुई थी। हो सकता है कि आप में से कुछ लोग वर्जीनिया से हों जो इस जगह से परिचित होंगे, लेकिन जेम्सटाउन में कॉलोनी की स्थापना 1607 में हुई थी।

यह नई दुनिया में स्थापित पहली स्थायी अंग्रेजी बस्ती थी। जेम्सटाउन में कॉलोनी की स्थापना मूल रूप से एक व्यापारिक कॉलोनी के रूप में की गई थी। इसकी स्थापना मूल रूप से ब्रिटिश साम्राज्य के व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए की गई थी।

और फिर क्या होता है, जेम्सटाउन की कॉलोनी के साथ एक अजीब कहानी है, हम जेम्सटाउन की कॉलोनी का इतिहास भूलने लगते हैं, और निश्चित रूप से हमें जेम्सटाउन की कॉलोनी का कोई स्पष्ट धार्मिक इतिहास नहीं पता है। इसलिए जेम्सटाउन का इतिहास धुंधला हो जाता है। जेम्सटाउन कॉलोनी जिसे आप सिर्फ एक तस्वीर के रूप में देखते हैं, एक कलाकार की कल्पना की तरह, वास्तव में इतिहास में खो जाती है।

और इसलिए तकनीकी रूप से, जेम्सटाउन, 1607, वास्तव में पहली ब्रिटिश कॉलोनी है, लेकिन यह वास्तव में हमें प्रभावित नहीं करता है क्योंकि इसका कोई बहुत मजबूत, ठोस धार्मिक आधार नहीं है, क्योंकि हम अमेरिकी ईसाई धर्म का अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन हम जेम्सटाउन में कॉलोनी का उल्लेख करना चाहते हैं क्योंकि यह इस नई दुनिया में ब्रिटिश लैंडिंग प्लेस के रूप में महत्वपूर्ण था, और यह इस नई दुनिया में शुरुआती दौर में व्यापार करने के लिए महत्वपूर्ण था, लेकिन फिर यह एक रहस्य में खो गया। तो, हम आपकी रूपरेखा में नंबर बी पर जाते हैं।

अगर रूपरेखा आपके लिए मददगार है, तो कृपया इसका इस्तेमाल करें। अगर नहीं है, तो इसके बारे में बिल्कुल भी चिंता न करें। इसलिए, मैं उस रूपरेखा के अनुसार चलूंगा।

तो, हम नंबर बी पर जाएंगे। हम तीर्थयात्रियों को अमेरिका आने के लिए कहेंगे। ठीक है, तो तीर्थयात्री अमेरिका आते हैं। अब, अमेरिका में प्लायमाउथ आने वाले तीर्थयात्रियों के वास्तव में दो नेता हैं, और हम बस एक मिनट में उन नेताओं के बारे में बात करेंगे।

इससे पहले कि हम ऐसा करें, मैं तीर्थयात्रियों का जिक्र करना चाहूंगा क्योंकि हम उन्हें यही कहते हैं। कभी-कभी, प्लायमाउथ में तीर्थयात्री, वैसे, प्लायमाउथ कौन गया है? आप में से कितने लोग प्लायमाउथ की कॉलोनियों और बागानों में गए हैं? अगर आप प्लायमाउथ नहीं गए हैं, तो यह वाकई घूमने के लिए एक शानदार जगह है और 17वीं सदी के जीवन को देखने के लिए एक शानदार जगह है। जब आप प्लायमाउथ जाते हैं तो यह एक तरह से जीवंत हो उठता है, और यह एक आकर्षक जगह है। लेकिन जो लोग इंग्लैंड से प्लायमाउथ आए, आप उन्हें चाहें तो प्यूरिटन कह सकते हैं, लेकिन वे शुद्ध रूप में प्यूरिटन नहीं थे, कोई मज़ाक नहीं।

ये प्यूरिटन वे लोग थे जो एंग्लिकन चर्च को अंदर से शुद्ध करना चाहते थे, और हम इस बारे में तब बात करेंगे जब हम प्यूरिटन के बारे में और बात करेंगे। लेकिन वे एंग्लिकन चर्च को अंदर से शुद्ध करना चाहते थे, इसलिए ऐसे लोग थे जो एंग्लिकन चर्च के भीतर ही रहे या एंग्लिकन चर्च के भीतर ही रहने की कोशिश की, लेकिन उन्हें काफी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। हालाँकि, तीर्थयात्री अलगाववादी थे।

ये स्वतंत्र या अलगाववादी थे। ये वे लोग थे जो इंग्लैंड में एंग्लिकन चर्च से पहले ही अलग हो चुके थे, और इसलिए वे अलगाववादियों या स्वतंत्र लोगों के रूप में बसने के लिए अमेरिका आए। इसलिए, अगर आप उन्हें प्यूरिटन कहना चाहते हैं, तो यह ठीक है, लेकिन यह इन तीर्थयात्रियों के लिए एक ढीला शब्द होगा क्योंकि वे पहले से ही स्वतंत्र हैं।

बोस्टन में प्यूरिटन इन स्वतंत्र लोगों, इन अलगाववादियों को पसंद नहीं करते थे क्योंकि बोस्टन में प्यूरिटन जिनके बारे में हम बात करेंगे, उन्हें लगता था कि आपको एंग्लिकन चर्च के भीतर रहना चाहिए और एंग्लिकन चर्च को शुद्ध करना चाहिए। हम देखेंगे कि तीर्थयात्री, जिन्हें हम तीर्थयात्री या अलगाववादी या स्वतंत्र कहते हैं, हम देखेंगे कि उनमें बोस्टन में प्यूरिटन के साथ एक बात समान थी, और एक बात जो उनमें समान थी वह यह थी कि उन्हें लगता था कि चर्च को मण्डली द्वारा संगठित किया जाना चाहिए। इसलिए, उनके पास अभी तक कोई नाम नहीं था।

अंततः उनका नाम कांग्रेसनलिस्ट होगा, लेकिन अभी तक उनका नाम नहीं है। उनका मानना है कि चर्च को चलाने के लिए मण्डली को ही होना चाहिए। वास्तव में, बोस्टन में प्यूरिटन भी ऐसा ही मानते थे। वे अभी भी एंग्लिकन थे, लेकिन बोस्टन में, उन्हें लगा कि एंग्लिकन चर्च को पदानुक्रमिक लाइनों के बजाय मण्डली लाइनों के अनुसार चलाया जाना चाहिए।

तो, प्यूरिटन और तीर्थयात्रियों में एक बात समान होगी, और यह हमारी रूपरेखा में बाद में महत्वपूर्ण होने जा रही है। ठीक है, प्लायमाउथ कॉलोनी में दो नेता आ रहे हैं, और पहला विलियम ब्रूस्टर नाम का एक आदमी है। और वैसे, याद रखें कि हमने दूसरे दिन पाठ्यक्रम में उल्लेख किया था, मैं आपको पाठ्यक्रम में उन नामों की सूची देता हूँ जो पाठ्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण हैं, और इसलिए नामों की वह सूची आपको मिल जाएगी, जिन नामों के बारे में मैं बात करता हूँ, उनमें से अधिकांश आपको उस सूची में मिल जाएँगे।

और मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि मैं आपको उन लोगों की तिथियाँ देता हूँ जिनके बारे में हम बात करते हैं, याद रखने के उद्देश्य से नहीं; आपको यह जानने की ज़रूरत नहीं है कि विलियम ब्रूस्टर कब जीवित थे और कब मरे, लेकिन मैं आपको वे तिथियाँ सिर्फ इसलिए देता हूँ ताकि आप उन्हें इतिहास में कहीं रख सकें। इसलिए, जब वे आस-पास हों तो उन्हें ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होने की आवश्यकता है। तो, ये विलियम ब्रूस्टर की तिथियाँ हैं।

तो, एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति। अब, उन्हें एल्डर कहा जाता था। विलियम ब्रूस्टर को उन लोगों के आध्यात्मिक नेता के रूप में पहचाना जाता है जो यहाँ आए थे, प्यूरिटन, जो 1620 में यहाँ आए थे।

उन्हें एक तरह के आध्यात्मिक नेता के रूप में पहचाना जाता है। इसलिए, वे प्लायमाउथ में उतरने वाले इन तीर्थयात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण नाम हैं, उनके लिए एक महत्वपूर्ण नेता हैं। दूसरा महत्वपूर्ण व्यक्ति विलियम ब्रैडफोर्ड है।

फिर से, विलियम ब्रैडफोर्ड की तिथियाँ। विलियम ब्रैडफोर्ड एक तरह के राजनीतिक व्यक्ति थे, अगर आप उन्हें कहना चाहें, तो वे प्लायमाउथ आए समूह के राजनीतिक नेता थे, और उन्होंने प्लायमाउथ में उतरे लोगों के लिए राजनीतिक नींव रखने में मदद की। एक तरह से, विलियम ब्रैडफोर्ड इस छोटे समूह के पहले गवर्नर हैं।

अब, यह एक बहुत छोटा समूह है, लेकिन विलियम ब्रैडफोर्ड इस समूह के पहले गवर्नर हैं, और यह निश्चित रूप से मेफ्लावर की प्रतिकृति है, जिस पर वे आए थे। वैसे, जब आप प्लायमाउथ जाते हैं, और आप मेफ्लावर, मेफ्लावर की प्रतिकृति पर जाते हैं, तो सोचें कि उस दुनिया में दो या तीन महीने तक समुद्र पार करना कैसा था, यह एक क्रूर तरीका था, और उस जहाज पर 120 या 150 लोगों के बारे में सोचें जो उस दुनिया में समुद्र पार कर रहे थे, यह नहीं जानते हुए कि वे जा रहे थे या नहीं, या उन्हें पता था कि वे कहाँ जा रहे थे, बेशक, लेकिन यह बहुत क्रूर था। लेकिन ब्रैडफोर्ड एक तरह का राजनीतिक नेता बन गया।

अब, विलियम ब्रूस्टर और विलियम ब्रैडफोर्ड के बारे में जो बात आप सुनते हैं, वह है मेफ्लावर कॉम्पैक्ट। जब ये लोग जहाज पर थे, बोर्ड पर, प्लायमाउथ में उतरने से पहले, और अगर आप, वैसे, अगर आप प्लायमाउथ नहीं गए हैं, और आप प्लायमाउथ रॉक देखने जाते हैं, तो इस इमारत के आकार की चट्टान की अपेक्षा न करें, क्योंकि आप ऐसा ही सोचते हैं, प्लायमाउथ रॉक, विशाल, आप जानते हैं, वे प्लायमाउथ रॉक में कदम रखते हैं। यह शायद इतना बड़ा है।

उन्हें आखिरकार इसके चारों ओर एक गेट लगाना पड़ा क्योंकि पर्यटकों को लगा कि चट्टान के टुकड़े काटकर अपने साथ घर ले जाना एक अच्छा विचार होगा। इसलिए, चट्टान बहुत बड़ी नहीं है। लेकिन जब वे आखिरकार उतरते हैं, तो उनके पास जहाज पर यह मेफ्लावर कॉम्पैक्ट होता है, इस कॉम्पैक्ट का नेतृत्व विलियम ब्रैडफोर्ड ने किया था और फिर जहाज पर मौजूद सभी लोगों ने इस पर हस्ताक्षर किए थे।

और फिर वे आगे बढ़ते हैं और उतरते हैं। कॉम्पैक्ट अपने आप में बहुत दिलचस्प है। और वैसे, यह सब चालू होगा; सभी पावरपॉइंट ब्लैकबोर्ड पर होंगे, इसलिए अगर कोई टेक्स्ट है तो आपको चीजों को कॉपी करने की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है, या आप अपने खाली समय में इस सामान पर जा सकेंगे।

लेकिन ईश्वर के नाम पर, आमीन, हम जिनके नाम लिखे गए हैं, हमारे भयानक संप्रभु लॉर्ड किंग जेम्स के वफादार विषय, ग्रेट ब्रिटेन, फ्रांस और आयरलैंड के ईश्वर की कृपा से, राजा, विश्वास के रक्षक, इत्यादि, ईश्वर की महिमा के लिए ईसाई धर्म की उन्नति और हमारे राजा और देश के सम्मान के लिए, वर्जीनिया के उत्तरी भागों में पहली कॉलोनी स्थापित करने के लिए एक यात्रा की, यही वे करने की योजना बना रहे थे, ईश्वर की उपस्थिति में और एक दूसरे की वाचा में इन प्रस्तुतियों को गंभीरता से और पारस्परिक रूप से पूरा करें और अपने बेहतर क्रम और संरक्षण

और पूर्वोक्त उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए खुद को एक नागरिक राजनीतिक निकाय में एक साथ जोड़ें। और इसके आधार पर समय-समय पर ऐसे न्यायपूर्ण और समान कानून, अध्यादेश, अधिनियम, संविधान और कार्यालयों को लागू करना, गठित करना और तैयार करना कॉलोनी के सामान्य हित के लिए सबसे उपयुक्त और सुविधाजनक माना जाएगा, जिसके लिए हम सभी उचित समर्पण और आज्ञाकारिता का वादा करते हैं। इसके साक्ष्य स्वरूप, हमने यहां केप कॉड में अपने नाम 11 नवम्बर या 21 नवम्बर को, अन्य कैलेंडर के अनुसार, हमारे प्रभु राजा जेम्स के शासनकाल के वर्ष 18, इंग्लैंड, फ्रांस और आयरलैंड के 18वें, तथा स्कॉटलैंड के 54वें, अर्थात् हमारे प्रभु के शासनकाल के वर्ष 1620 में, अंकित किए हैं।

अब, मैं चाहता हूँ कि आप तीन बातों पर ध्यान दें, जो मैंने की हैं, एक, परमेश्वर की महिमा के लिए; दो, ईसाई धर्म की उन्नति; और तीन, हमारे राजा और देश का सम्मान। तो, मेफ्लावर समझौते में उन तीन बातों पर ध्यान दें। वे उन तीन बातों के लिए प्रतिबद्ध थे।

वे उन तीन आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध थे। जिनमें से पहले दो, बेशक, धार्मिक आदर्श हैं क्योंकि वे ईश्वर की महिमा और ईसाई धर्म की उन्नति के लिए यहाँ थे। तीसरा, हमें अपने राजा और देश का सम्मान करना चाहिए।

ये लोग अभी भी ब्रिटिश नागरिक हैं। बेशक, वे अभी भी खुद को ब्रिटिश नागरिक ही मानते हैं। इसलिए, हमारे राजा और देश के सम्मान में।

तो, इन तीन बातों पर ध्यान दें। यह मेफ्लावर कॉम्पैक्ट का हिस्सा है। मेफ्लावर कॉम्पैक्ट व्यापक अमेरिकी संस्कृति में मौजूद किसी भी अन्य दस्तावेज़ से पहले था, संविधान या स्वतंत्रता की घोषणा या इस तरह की किसी भी चीज़ से पहले।

लेकिन यह मेफ्लावर समझौता है। ध्यान दें, बेशक, वे कॉलोनी की सामान्य भलाई के लिए खुद को नियंत्रित कर रहे हैं। इसलिए वे इस मेफ्लावर समझौते की स्थापना कर रहे हैं।

आज, हम सामान्य भलाई शब्द का उपयोग करते हैं। हम कहते हैं, अच्छा, क्या यह सामान्य भलाई में मदद करता है? खैर, वे लगभग एक ही भाषा का उपयोग करते हैं। हम कॉलोनी की सामान्य भलाई के लिए कानून और अध्यादेश बना रहे हैं।

तो यह मेफ्लावर समझौता है। तो, मेफ्लावर समझौते में एक धार्मिक तत्व है। और मेफ्लावर समझौते में एक राजनीतिक या नागरिक तत्व भी है।

मेफ्लावर कॉम्पैक्ट ने उन दोनों उद्देश्यों को पूरा किया। और प्लायमाउथ में उतरे लोगों ने उन उद्देश्यों को एक दूसरे के विपरीत नहीं देखा। उन्होंने उन उद्देश्यों को एक दूसरे के विरोधाभासी के रूप में नहीं देखा।

उन्होंने उन दो उद्देश्यों, धार्मिक उद्देश्यों और नागरिक उद्देश्यों को एक साथ जोड़कर देखा। इसलिए हमें तीर्थयात्रियों के अमेरिका आने का अंदाजा है। और, बेशक, ये दो नाम, ब्रूस्टर और ब्रैडफोर्ड।

ठीक है, अब, आपकी रूपरेखा में नंबर सी। हालाँकि, उनके बाद, अमेरिका में एक जबरदस्त प्यूरिटन आप्रवासन हुआ। तो, अमेरिका में बड़े पैमाने पर प्यूरिटन आप्रवासन 1628 में शुरू हुआ।

तो यह बड़ा, बड़ा, बहुत बड़ा, क्योंकि 1628 से शुरू होकर, यहाँ आने वाले इतने बड़े आप्रवासियों ने न केवल अमेरिका की धार्मिक संस्कृति बल्कि नागरिक संस्कृति को भी आकार देने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप अपनी रूपरेखा में देख सकते हैं कि मैं यहाँ चार नामों का उल्लेख करने जा रहा हूँ। पहला है जॉन कॉटन।

यह जॉन कॉटन की एक तरह की तस्वीर है, लेकिन जॉन कॉटन, 1584 से 1652 तक। अब, जॉन कॉटन बोस्टन के शुरुआती महत्वपूर्ण नेता थे। इसलिए, आपको जॉन कॉटन को बोस्टन से जोड़ना चाहिए।

न केवल एक धार्मिक नेता बल्कि एक राजनीतिक नेता और लोगों के नागरिक नेता भी। इसलिए कॉटन महत्वपूर्ण है। जब आप जॉन कॉटन के बारे में सोचते हैं तो बोस्टन महत्वपूर्ण है।

दूसरा नाम जिसका मैंने ज़िक्र किया है, वह है रिचर्ड माथेर। रिचर्ड माथेर ने डोरचेस्टर नामक जगह पर प्यूरिटन कॉलोनी स्थापित करने में मदद की। आज, हम डोरचेस्टर को बोस्टन का हिस्सा मानते हैं।

मेरा मतलब है, यह ग्रेटर बोस्टन का ही एक हिस्सा है। इसलिए, आप डोरचेस्टर को एक अलग समुदाय के रूप में नहीं सोचते। लेकिन, बेशक, इस समय बोस्टन, 1620, 30 और 40 के दशक में, एक बहुत छोटा समुदाय था।

डोरचेस्टर बोस्टन से अलग समुदाय है, और यह रिचर्ड माथेर ही थे जिन्होंने उस प्यूरिटन समुदाय को स्थापित करने में मदद की। तो, तीसरा नाम थॉमस हुकर का है। अब, थॉमस हुकर वास्तव में जंगल में चले गए, थॉमस हुकर ने हार्टफोर्ड नामक एक जगह की स्थापना की।

मुझे नहीं पता। क्या आप में से कोई हार्टफोर्ड, कनेक्टीकट या हार्टफोर्ड, कनेक्टीकट के इलाके से है? हार्टफोर्ड, कनेक्टीकट में थॉमस हुकर चर्च है। बेशक, यह मूल प्यूरिटन चर्च नहीं है। यह वास्तव में उस जगह पर चौथा चर्च है।

लेकिन पूरा हुकर परिवार उस चर्च के पीछे दफन है। अब, उन दिनों में, बेशक, आज, आप यहाँ से हार्टफोर्ड तक कुछ भी, दो घंटे या तीन घंटे या जो भी समय लगे, ड्राइव करके पहुँच सकते हैं। लेकिन उन दिनों, यह जंगल था।

आप बोस्टन या डोरचेस्टर की सीमाओं से बाहर निकलकर, उस जगह पर जा रहे हैं जिसे हम आज पश्चिमी मैसाचुसेट्स और कनेक्टीकट के रूप में जानते हैं। यह एक वास्तविक जंगल का अनुभव था। इसलिए जब हम इन चीजों के बारे में सोचते हैं तो हमें अपने विचारों को 17वीं सदी में वापस ले जाना चाहिए।

और फिर मैं जॉन विन्थ्रोप का ज़िक्र करना चाहता हूँ। जॉन विन्थ्रोप बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति थे और जॉन विन्थ्रोप को बोस्टन, मैसाचुसेट्स बे कॉलोनी का गवर्नर चुना गया था। उन्हें 12 बार गवर्नर चुना गया।

तो इससे आपको पता चलता है कि जॉन विन्थ्रोप कितने महत्वपूर्ण थे। अब, जॉन विन्थ्रोप हमें यहाँ एक उद्धरण देते हैं। जॉन विन्थ्रोप ने कहा कि वह बोस्टन का निर्माण करना चाहते थे, और वह एक पहाड़ी पर एक शहर बनाना चाहते थे, उद्धरण रहित।

इसलिए, जब भी आप यह कहावत सुनते हैं, एक पहाड़ी पर एक शहर, हम एक पहाड़ी पर एक शहर बना रहे हैं। जब भी आप यह कहावत सुनते हैं, तो आप जॉन विन्थ्रोप को धन्यवाद दे सकते हैं। यह बोस्टन और मैसाचुसेट्स बे कॉलोनी के बारे में उनकी समझ है।

जहाँ तक उनका सवाल है, हम दुनिया के लिए एक उदाहरण बनने जा रहे हैं कि हमारे नागरिक जीवन में ईश्वर की महिमा करने का क्या मतलब है, न केवल हमारे धार्मिक जीवन में बल्कि हमारे नागरिक जीवन में, हमारे साथ जीवन में, हमारे जीवन में आम भलाई के लिए। तो, जॉन विन्थ्रोप, एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यक्ति, ने बोस्टन और मैसाचुसेट्स बे कॉलोनी की छवि को स्थापित किया जो उन्होंने और अन्य लोगों ने बनाई थी। इसलिए, यदि आप यह अभिव्यक्ति सुनते हैं, तो आप इसके लिए जॉन विन्थ्रोप को धन्यवाद दे सकते हैं क्योंकि वह महत्वपूर्ण थे।

ठीक है, एक और बात। हम अभी भी अमेरिका में प्यूरिटन अप्रवासी के अधीन हैं। अब हमने कुछ लोगों के नाम बताए हैं।

लेकिन इतना कहने के बाद, आइए ध्यान दें कि हमने जिन लोगों का उल्लेख किया है, उनमें से अधिकांश एंग्लिकन पादरी थे। अब आप देख सकते हैं कि जॉन कॉटन अपने तरह के एंग्लिकन वस्त्र पहने हुए हैं और उनके हाथ में बाइबिल है। हमने जिन लोगों का उल्लेख किया है, उनमें से अधिकांश एंग्लिकन प्रतिष्ठानों से हैं।

वे अंग्रेजी प्रतिष्ठान के हैं। और वे निश्चित रूप से बहुत कट्टर प्यूरिटन हैं। ठीक है, अब वे जो करना चाहते हैं, वह यह है कि वे एंग्लिकन चर्च के भीतर ही रहना चाहते हैं।

वे एंग्लिकन चर्च को भीतर से शुद्ध करना चाहते हैं। इसलिए, वे एंग्लिकन चर्च को अपने साथ ले आए। लेकिन वे एंग्लिकन चर्च को भीतर से शुद्ध करना चाहते हैं।

लेकिन ये लोग मूल रूप से कैल्विनिस्ट हैं। बाद में व्याख्यान में, हम प्यूरिटन द्वारा किए गए योगदान के कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। ये लोग मूल रूप से कैल्विनिस्ट हैं।

अब, कैल्विनिस्ट के रूप में, वे निश्चित रूप से एंग्लिकन हैं, लेकिन वे अपने धार्मिक अभिविन्यास में कैल्विनिस्ट हैं। इसलिए, क्योंकि वे अपने धार्मिक अभिविन्यास में कैल्विनिस्ट हैं, वे मानते हैं कि बाइबल न केवल हमारे धार्मिक जीवन का स्रोत होनी चाहिए। यह न केवल चट्टान है, हमारे

धार्मिक जीवन की नींव है, बल्कि यह हमारे चर्च की नींव, चट्टान भी है, और चर्च को कैसे संगठित और चलाया जाना चाहिए।

और चर्च से हमारा मतलब, ज़ाहिर है, एंग्लिकन चर्च से है। और इसलिए वे आश्चर्य थे कि जब आप बाइबल खोलेंगे, तो आप देखेंगे कि चर्च को मण्डली द्वारा चलाया जाना चाहिए। इसलिए, एक जगह जहाँ उन्होंने एंग्लिकन चर्च के साथ वास्तविक चर्चा की, वह चर्च पदानुक्रम पर था।

इसलिए, उन्हें चर्च का पदानुक्रम पसंद नहीं था। उन्हें इस तरह के आर्कबिशप, बिशप, आप जानते हैं, पुजारी, आम लोग, इत्यादि पसंद नहीं थे। उन्हें चर्च की पदानुक्रमिक प्रकृति पसंद नहीं है।

और वे यहाँ एंग्लिकन चर्च चलाने जा रहे हैं, लेकिन वे उन्हें एक सामूहिक शैली में चलाने जा रहे हैं। इसलिए, लोगों के समूह की मण्डली ही चर्च को चलाने जा रही है। अब, यही एक बात है जो प्लायमाउथ के लोगों के साथ उनकी आम थी क्योंकि प्लायमाउथ के लोग, जैसा कि हमने कहा, भी मण्डली थे।

उन्हें यह भी लगा कि उन्हें उस समय चर्च भी चलाना चाहिए। तो, ठीक है, मैं अमेरिका में इस तरह के प्यूरिटन आप्रवासन को छोड़ने से पहले बस इतना कहना चाहता हूँ कि मैं यहाँ वर्ष 1640 को एक उदाहरण के रूप में लेता हूँ, 1640। तो, हमने कहा कि प्यूरिटन आप्रवासन 1628 में शुरू हुआ था।

तो चलिए अब 12 साल आगे बढ़कर 1640 तक पहुंचते हैं। ऐसा अनुमान है कि 1640 तक अमेरिका में लगभग 20,000 प्यूरिटन थे। तो 12 साल के भीतर लगभग 20,000 प्यूरिटन यहां आ गए।

उस दिन और उस उम्र के हिसाब से ये बहुत सारे लोग हैं। ये बहुत सारे लोग हैं। और जब वे आए तो कहाँ गए? आप बिलकुल बीच में हैं।

आप प्यूरिटन क्षेत्र के बीच में बैठे हैं। इसलिए, उन्होंने इप्सविच और सलेम जैसी जगहों पर और अंततः डेनवर और ऐसी जगहों पर और निश्चित रूप से बोस्टन में उपनिवेश स्थापित किए। इसलिए, हम हर दिन प्यूरिटन दुनिया में रह रहे हैं, जिसकी स्थापना इन लोगों ने की थी।

तो, वे यहीं आए। और उनका जबरदस्त प्रभाव था, ज़ाहिर है, न केवल धार्मिक जीवन पर बल्कि नागरिक जीवन पर भी। अब, हाँ, हाँ।

प्यूरिटन थे। सही है। यह एक अच्छा सवाल है।

हम यहाँ जिन शुरुआती प्यूरिटन लोगों की बात कर रहे हैं, वे बहुत ही धार्मिक एंग्लिकन थे। उनमें से ज्यादातर एंग्लिकन चर्च में पुजारी थे और वे बहुत धार्मिक थे। लेकिन दो जगहें ऐसी थीं, जहाँ वे एंग्लिकन चर्च से असहमत थे।

एक जगह, और हमने पहले वाले के बारे में बात नहीं की है क्योंकि यह उस बात से बहुत ज़्यादा प्रासंगिक नहीं है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं, लेकिन एक जगह जहाँ वे एंग्लिकन चर्च से असहमत थे, वह थी पूजा-पद्धति। उन्हें लगा कि एंग्लिकन चर्च अपनी पूजा-पद्धति में, पूजा-पद्धति में बहुत ज़्यादा रोमन कैथोलिक है। यह बहुत ज़्यादा रोमन कैथोलिक है।

हमें यह बाइबिल के अनुसार नहीं लगता। हम ईसाई चर्च में एक सरल पूजा पद्धति चाहते हैं जो बाइबिल में पढ़ी गई बातों के अधिक अनुरूप हो। इसलिए, वे एक सरल प्रकार की पूजा पद्धति चाहते थे।

और अब दूसरा वह है जिसके बारे में हमने बात की है। वे एक तरह से एंग्लिकन चर्च के नेतृत्व को समतल करना चाहते थे और नेतृत्व को मण्डली नेतृत्व बनाना चाहते थे। वे चाहते थे कि मण्डली चर्च जीवन के निर्णय ले।

इसका मतलब यह नहीं था कि हम इसे बाद में भी देखेंगे, जब हम उनके व्यवसाय की धारणा के बारे में बात करेंगे क्योंकि उनके पास व्यवसाय की एक बहुत ही विशिष्ट धारणा थी। इसका मतलब यह नहीं था कि अभी भी पुजारी नहीं होने चाहिए, और अभी भी ऐसे पुजारी नहीं होने चाहिए जिन्हें विशेष रूप से ईश्वर द्वारा सुसमाचार का प्रचार करने, भोज देने, बपतिस्मा देने आदि के लिए बुलाया गया हो। इसका मतलब यह नहीं था।

लेकिन इसका मतलब चर्च को संगठित करने और चर्च को चलाने के तरीके, वित्तीय मामलों में चर्च को चलाने, चर्च के मंत्री कौन होने चाहिए, इत्यादि के मामले में चर्च को चलाने से था। वे एक सामूहिक शैली चाहते थे। इसलिए, वे निश्चित रूप से इन दो मुद्दों पर एंग्लिकन चर्च से असहमत हैं।

आंशिक रूप से, प्यूरिटन इतनी बड़ी संख्या में यहाँ आए, इसका कारण यह है कि राजा जेम्स और अन्य लोग वास्तव में उनसे बहुत घृणा करते थे। और इंग्लैंड में प्यूरिटन के साथ बहुत उत्पीड़न हो रहा था। इसलिए, वे यहाँ उस स्वतंत्रता को पाने के लिए आए, जो वे एंग्लिकन के रूप में होना चाहते थे।

क्या इससे कुछ मदद मिलती है? इस मामले में हम अब तक कहां हैं, इस बारे में कुछ और? ठीक है, तो हम अभी भी अमेरिका में प्यूरिटन अप्रवासी के अधीन हैं। अब, मैं यहाँ सिर्फ उल्लेख करना चाहूँगा। मैं बस एक मिनट में इस पर आऊँगा।

ओह, इसके लिए खेद है। ओह, इसके लिए खेद है। मुझे बस इतना ही कहना है, और मैं इसे आगे फिर से बताऊँगा: 1648 में, प्लायमाउथ में तीर्थयात्री और बोस्टन और अन्य स्थानों में प्यूरिटन एक साथ आए।

और उन्होंने एक दूसरे के साथ अपने मतभेदों, अपने धार्मिक मतभेदों को दूर किया। वे एक साथ आए, और उन्होंने कैम्ब्रिज प्लेटफ़ॉर्म नामक संगठन बनाया। अब, कैम्ब्रिज प्लेटफ़ॉर्म का एक उपशीर्षक है।

कैम्ब्रिज प्लेटफ़ॉर्म अमेरिकी कांग्रेसनलिज़्म का चार्टर है। इसलिए, 1648 में, उन्होंने एक और तरह का ईसाई चर्च बनाने का फैसला किया, जिसे उन्होंने कांग्रेसनलिज़्म कहा। इसलिए, वे एक साथ आए।

वे कांग्रेसनलिज़्म बनाते हैं। इसलिए तकनीकी रूप से, अब, 1648 के बाद, ये लोग जो एंग्लिकन थे, अब बेशक, सभी एंग्लिकन इसमें शामिल नहीं हुए, लेकिन ये लोग जो एंग्लिकन थे अब एक अलग संप्रदाय बन गए। वे कांग्रेसनलिस्ट बन गए।

तो, वे खत्म हो गए हैं। वे मतभेदों को सुलझाते हैं। उन्होंने कैम्ब्रिज प्लेटफ़ॉर्म नामक अमेरिकन कांग्रेसनलिज़्म का चार्टर बनाया, और अब वे एक नए संप्रदाय हैं।

तो, इसका मतलब यह है कि संप्रदायिक जीवन के संदर्भ में, इसका मतलब यह है कि हमने अपने पाठ्यक्रम में अब तक केवल दो संप्रदायों को देखा है। मेरा मतलब है, हम पाठ्यक्रम में केवल 45 मिनट ही हैं। लेकिन वैसे भी, हमने एंग्लिकनवाद देखा है; बेशक, लोग एंग्लिकन थे, और अब हम एक दूसरे संप्रदाय, कांग्रेसनलिज़्म को देखते हैं।

अमेरिकी धार्मिक अनुभव में यह बहुत दिलचस्प होने वाला है। संप्रदायों पर नज़र रखना मुश्किल है। हम उन पर नज़र रखने की कोशिश करेंगे।

जब आपको 99 अलग-अलग बैपटिस्ट संप्रदाय मिलते हैं तो बैपटिस्ट के साथ यह बहुत मुश्किल हो जाता है। इसलिए, कभी-कभी यह मुश्किल हो जाता है। लेकिन अब तक सब ठीक है क्योंकि हमारे पास केवल दो ही हैं।

हमारे पास एंग्लिकन हैं, हमारे पास कांग्रेसनलिस्ट हैं, इसलिए हम कैम्ब्रिज प्लेटफ़ॉर्म के साथ तैयार हैं। हाँ। नहीं।

तीर्थयात्री अलगाववादी थे। उन्हें स्वतंत्र कहा जाता था, या वे अलगाववादी थे। इसलिए, यहाँ आने से पहले ही, वे इंग्लैंड में, एंग्लिकन चर्च से खुद को अलग कर चुके थे।

वे यहाँ अलगाववादियों के रूप में आए थे, लेकिन उन्होंने प्लायमाउथ में अपना जीवन कांग्रेसनलिस्ट के रूप में बनाया क्योंकि उनका मानना था कि चर्च बनाने का यही एकमात्र तरीका था। लेकिन मैं कहूँगा कि वे वास्तव में कैम्ब्रिज प्लेटफ़ॉर्म तक शायद एक पहचान योग्य संप्रदाय नहीं बन पाए। वे प्लायमाउथ में चर्च को कांग्रेसनलि चर्च के रूप में चला रहे हैं, लेकिन वे पहले से ही अलगाववादी हैं, जबकि प्यूरिटन नहीं थे।

प्यूरिटन जब यहाँ आए थे तब भी वे एंग्लिकन थे। यही दोनों के बीच का अंतर है। लेकिन फिर वे एक साथ आ गए।

हाँ। क्या यह प्यूरिटन लोगों की तरह था, जिन्हें दूसरों की तुलना में ज़्यादा अस्पताल में भर्ती होना पड़ा? यह इस समय, 1648 तक था, क्योंकि वे अब तक काफ़ी समय से साथ रह रहे थे, 28 साल या उससे ज़्यादा, क्योंकि 1620 में तीर्थयात्री आए और फिर 1620 में प्यूरिटन लोगों की एक बड़ी

बाढ़ आ गई। मुझे लगता है कि उन्हें एहसास हुआ कि हम दोनों में इतनी समानताएँ हैं कि हम इसे पीछे छोड़ने के लिए तैयार हैं।

और एक बात जो हम दोनों में समान है वह है चर्च को कैसे चलाना है, जो इस नई दुनिया में एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसलिए, मैं कहूँगा कि यह एक तरह का स्वाभाविक विकास था जिसके द्वारा उन्होंने यह घोषणा की। और कोई भी दुश्मनी उनके पीछे थी।

दरअसल, मेफ्लावर पर आई और प्लायमाउथ में बस गई महिलाओं में से एक महिला बोस्टन चली गई, और हमारी एक फील्ड ट्रिप में, हम उसके घर और वास्तव में बोस्टन में उसके दफन स्थान के पास से गुजरने वाले हैं। इसलिए, व्यापार के मामले में उनके बीच थोड़ी बहुत बातचीत भी हुई, और उनमें से कुछ बोस्टन चली गई, लेकिन एक महिला विशेष रूप से बोस्टन चली गई, बोस्टन में शादी की, और बोस्टन में एक परिवार बसाया। इसलिए, मुझे लगता है कि यह ऐसी चीजें हैं जो आखिरकार कहती हैं, हम इसे एक साथ करने के लिए तैयार हैं।

सबसे पहले, इस नेतृत्व के तहत अमेरिका में आने वाले प्यूरिटनवाद के बारे में कुछ और, और फिर यह बात कि वे तीर्थयात्रियों के साथ समान हैं, और उन्होंने एक संप्रदाय बनाने का फैसला किया। ठीक है, मूल रूप से सही है। अब, कुछ प्यूरिटन थे जो बोस्टन के दक्षिण में बस गए और जिन्होंने बोस्टन के दक्षिण में बसना शुरू कर दिया।

इसलिए वे प्लायमाउथ के और करीब आ रहे हैं। इसलिए, वे भौगोलिक रूप से और करीब आ रहे हैं। लेकिन प्यूरिटन नेतृत्व के संदर्भ में मैंने जिन चार लोगों का उल्लेख किया है, मुझे लगता है कि वे इस समय प्यूरिटन समुदाय के संभवतः चार सबसे महत्वपूर्ण नेता हैं।

ठीक है। दूसरी बात यह है कि हमने अभी तक प्यूरिटन्स की प्रतिक्रिया के बारे में बात नहीं की है, जिसके बारे में हम अभी बात करेंगे। और इसलिए, प्यूरिटन्स की प्रतिक्रिया के साथ, केप कॉड की ओर आगे बढ़ना होगा, लेकिन फिर आगे और नीचे एक कॉलोनी की ओर जो अंततः रोड आइलैंड कहलाएगी।

लेकिन यह प्रतिक्रियावादी होगा। हाँ, अभी तक। यही विराम है।

कैम्ब्रिज मंच एंग्लिकन चर्च से अलग है। यह एक नया संप्रदाय है। बोस्टन की अपनी एक यात्रा में हम जो कुछ देखने जा रहे हैं, उनमें से एक स्टेट हाउस के ठीक सामने है, जो वास्तव में कांग्रेसनल हाउस है।

कांग्रेसनल हाउस न्यू इंग्लैंड में कांग्रेसनलिज्म का मुख्यालय है। लेकिन कांग्रेसनल हाउस के सामने बेस-रिलीफ हैं। और उनमें से एक में मेफ्लावर कॉम्पैक्ट और अन्य चीजें दिखाई गई हैं।

लेकिन अब कैम्ब्रिज मंच के साथ, यह अब एंग्लिकनवाद नहीं रहा। यह अब कांग्रेसनलिज्म है। यह अब एक नया संप्रदाय है।

यहाँ कुछ और है? हाँ। ठीक है। सही है।

यह इंग्लैंड में भौगोलिक रूप से नहीं था। इंग्लैंड में भौगोलिक रूप से प्यूरिटन पूरे नक्शे पर थे। इंग्लैंड में बहुत सारे एंग्लिकन थे जो प्यूरिटन थे और इन दो तरीकों से चर्च को शुद्ध करना चाहते थे जिनका हमने उल्लेख किया है: पूजा-पद्धति और चर्च की राजनीति।

इसलिए, वे भौगोलिक रूप से अलग नहीं थे। वे हमारे पास आए, या वे इंग्लैंड के कई अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों से यहाँ आए। लेकिन इंग्लैंड में जहाँ भी वे स्थित थे, वहाँ के चर्च के साथ उनका इस तरह का अंतर था।

और उन्हें सरकार की ओर से काफी हद तक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा क्योंकि उदाहरण के लिए, राजा जेम्स I, प्यूरिटन को तुच्छ समझता था। वह प्यूरिटन से नफरत करता था। और वह उन्हें चर्च के प्रति वास्तव में विरोधी मानता था और इसी तरह की अन्य बातें भी।

और चर्च के नेता, बहुत से चर्च नेता वास्तव में प्यूरिटन से घृणा करते थे। उन्हें लगा कि ये प्यूरिटन चर्च में व्यवधान पैदा कर रहे हैं और इसी तरह की अन्य बातें। लेकिन वे भौगोलिक रूप से इंग्लैंड में एक ही स्थान पर स्थित नहीं हैं।

लंदन, बेशक, एक तरह से महान युद्ध का मैदान बन गया। लेकिन वे चर्च को अपनी इच्छानुसार बनाने की स्वतंत्रता चाहते थे, जो एक ऐसी स्वतंत्रता थी जो उन्हें इंग्लैंड में नहीं दी गई थी। मेरा मतलब है, वे ऐसा चाहते थे।

और वे एक पहाड़ी पर बसा शहर चाहते थे। वे एक ऐसी कॉलोनी बनाना चाहते थे जो ईसाई होने का मतलब तो बताए ही, साथ ही आम भलाई के लिए जीने का मतलब भी बताए। और उन्हें ये दोनों चीजें मिल गईं।

उन्हें इंग्लैंड में ऐसा नहीं मिल रहा था। उन्हें इंग्लैंड में ऐसा अनुभव नहीं हो रहा था। इन प्यूरिटन्स के बारे में कुछ और बात है, दोस्तों।

इसलिए जब आप सलेम या डेनवर या यहाँ तक कि यहाँ भी जाते हैं, तो इप्सविच विशेष रूप से एक विशाल प्यूरिटन कॉलोनी थी। और जब आप उन जगहों पर जाते हैं, बोस्टन, तो निश्चित रूप से, हम बोस्टन में बहुत सारे प्यूरिटन स्थल देखेंगे। इनमें से कुछ लोगों का घर, जिनका हमने उल्लेख किया है, उनका घर अभी भी बोस्टन में है।

बेशक, यह घर ही नहीं है। लेकिन बोस्टन में उनके घर, बोस्टन में उनके घरों के लिए एक शानदार स्मारक है। दुर्भाग्य से, लोग हर दिन इसके पास से गुजरते हैं।

वे कभी ध्यान नहीं देते; वाह, यहीं पर जॉन कॉटन रहते थे। वे बहुत व्यस्त रहते हैं। वे पट्टिका नहीं पढ़ते।

हम सभी पट्टिकाओं को पढ़ने जा रहे हैं। तो यह अच्छी बात है कि हम पट्टिकाओं को देखने जा रहे हैं। ठीक है, यहाँ और कुछ है? हम इन तीर्थयात्रियों, प्यूरिटन और कांग्रेसनलिज्म को समझना शुरू करते हैं।

मुझे बस एक मिनट के लिए वापस जाना है। अब, अगर आप मेरे साथ रूपरेखा में नंबर डी को देखें, तो हर कोई प्यूरिटन से खुश नहीं था। इसलिए, कुछ लोग थे जो, सही मायने में, शायद प्यूरिटन से नाखुश थे।

तो, प्रतिक्रियाएँ थीं, भगवान आपका भला करे, प्यूरिटन्स के प्रति प्रतिक्रियाएँ थीं। अब, बहुत सारी अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ हैं, जैसे कि आपसी लड़ाई और इसी तरह की अन्य प्रतिक्रियाएँ, लेकिन प्यूरिटन्स के प्रति तीन प्रमुख प्रतिक्रियाएँ थीं जिन पर हम ध्यान देना चाहते हैं। और ये तीनों ही प्यूरिटन्स के प्रति वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण प्रतिक्रियाएँ हैं।

ठीक है, पहला चित्र रोजर विलियम्स नामक व्यक्ति द्वारा बनाया गया था। और इसमें रोजर विलियम्स की तिथियाँ, 1604, 1683 अंकित हैं। दाईं ओर रोजर विलियम्स का एक स्केच है।

तो, वह पहले थे। अब, अगले व्याख्यान में, व्याख्यान संख्या दो में, हम रोजर विलियम्स के बारे में जीवनी के बारे में अधिक बात करके शुरू करने जा रहे हैं और रोजर विलियम्स का थोड़ा सा जीवनी संबंधी विवरण देंगे। लेकिन हमें यहाँ बस इतना जानना है कि रोजर विलियम्स एक प्यूरिटन थे।

इसलिए, वह जानता था, वह जानता था कि प्यूरिटन होना कैसा होता है। लेकिन उसने पाया कि जब धार्मिक स्वतंत्रता की बात आती है, तो प्यूरिटन को इस मामले में अच्छा ग्रेड नहीं मिलता। इसका एक उदाहरण बोस्टन में है: बोस्टन में वोट देने के लिए, जो कि अन्य प्यूरिटन कॉलोनियों के लिए भी सच होगा, आपको एक कांग्रेसनलिस्ट होना चाहिए।

आपको चर्च का सदस्य होना पड़ता था। और, ज़ाहिर है, जैसा कि हम जानते हैं, उस दुनिया में मतदान सिर्फ पुरुषों तक ही सीमित था। लेकिन आपको एक कांग्रेसनलिस्ट होना पड़ता था।

आपको चर्च का सदस्य होना चाहिए था। और इसलिए, रोजर विलियम्स ने महसूस किया कि लड़के, मैं बोस्टन में थोड़ा असहज महसूस कर रहा हूँ क्योंकि मैं सिर्फ धार्मिक सहिष्णुता में विश्वास नहीं करता। मैं सिर्फ यह नहीं मानता कि आपको दूसरे धार्मिक विचारों को सहन करना चाहिए।

मुझे लगता है कि आपको अन्य धार्मिक विचारों के लिए स्वतंत्रता की अनुमति देनी चाहिए। रोजर विलियम्स प्यूरिटन्स से नाखुश थे, और जब उन्होंने इस तरह की बातों का समर्थन करना शुरू किया तो वे उनसे नाखुश थे। रोजर विलियम्स बोस्टन छोड़कर दक्षिण चले गए, रोड आइलैंड की स्थापना की, और अपने शहर का नाम प्रोविडेंस रखा। अब, हम अपने अगले व्याख्यान में इस बारे में थोड़ी और बात करेंगे।

हालाँकि, वह प्यूरिटन्स के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करने वाले पहले लोगों में से एक थे, और उनकी प्रतिक्रिया इतनी तीव्र थी कि उन्होंने वास्तव में प्यूरिटन्स के प्रति प्रतिक्रिया में एक और कॉलोनी बनाई। तो यह पहली प्रतिक्रिया है। दूसरी प्रतिक्रिया जॉर्ज फॉक्स की थी।

जॉर्ज फॉक्स, उनकी तिथियाँ हैं, और हम वास्तव में जॉर्ज फॉक्स के बारे में थोड़ा और व्याख्यान देने जा रहे हैं और आपको उनके बारे में थोड़ा और ऐतिहासिक डेटा देंगे। लेकिन जॉर्ज फॉक्स, जॉर्ज फॉक्स की तिथियाँ हैं। जॉर्ज फॉक्स की एक तस्वीर है।

जॉर्ज फॉक्स ने केकर्स नामक लोगों के एक समूह की स्थापना की। और हम केकर्स के बारे में बहुत कुछ बात करेंगे ताकि हमें अभी उनके बारे में चिंता न करनी पड़े। लेकिन यहाँ, यह कहना पर्याप्त है कि केकर्स इंग्लैंड में एंग्लिकन चर्च से अलग हुए एक समूह थे।

तो, वे एक ऐसा समूह थे जो पहले ही अलग हो चुका था। तो, वे इंग्लैंड में पहले से ही एक अलगाववादी समूह हैं। केकर बोस्टन में आने लगे, और प्यूरिटन इन लोगों से बहुत नाखुश थे।

अब, वे सिर्फ इसलिए उनसे नाखुश नहीं हैं क्योंकि वे चर्च से अलग हो गए थे। वे धार्मिक रूप से उनसे नाखुश हैं। केकर्स के साथ उनके धार्मिक मतभेद बहुत थे।

और हम उन धार्मिक मतभेदों के बारे में बात करेंगे जब हम केकर्स पर व्याख्यान देंगे, खास तौर पर जॉर्ज फॉक्स और केकर्स पर। तो, वे केकर्स से इतने नाखुश थे, कि पहले चार केकर्स, पहले केकर्स में से चार, अमेरिका आए, जिनमें मैरी डायर भी शामिल थीं। यहाँ मैरी डायर की एक मूर्ति है।

हम उसकी मूर्ति देखेंगे। जब हम उसकी मूर्ति के पास से गुजरेंगे तो वह स्टेट हाउस में होगी। इसलिए, प्यूरिटन्स ने फैसला किया कि इन केकर्स से छुटकारा पाने का तरीका उन्हें बोस्टन कॉमन पर लटका देना था।

तो, मैरी डायर बोस्टन कॉमन में फांसी पर लटकाए जाने वाले पहले लोगों में से एक थी, जो एक तरह से विडंबनापूर्ण है, क्योंकि केकर शांति के लोग थे, शांति के लोग। वे शांति में विश्वास करते थे। वे युद्ध में विश्वास नहीं करते थे।

वे शांतिपूर्ण जीवन जीते थे। लेकिन प्यूरिटन्स ने बोस्टन कॉमन पर केकर्स को फांसी देना शुरू कर दिया। आपको याद रखना चाहिए कि जब हम बोस्टन कॉमन से गुजरते थे, तो यह 19वीं सदी तक फांसी की जगह थी।

मुझे ठीक से याद नहीं कि बोस्टन कॉमन में आखिरी बार कब लोगों को फांसी दी गई थी, लेकिन यह एक फांसीगाह थी। और इसलिए, लोग आते थे और इन केकर्स को फांसी पर लटकते हुए देखते थे। आप जानते हैं, फांसी पर लटकना अच्छी बात नहीं है।

तो, केकर्स प्यूरिटन्स के प्रति एक वास्तविक प्रतिक्रिया थे। और उन्होंने उन्हें फांसी देना शुरू कर दिया। तो, केकर्स ने कहा, ओह, हमें यहाँ से निकल जाना चाहिए।

हम कहाँ जा रहे हैं? चलो, रोड आइलैंड चलते हैं और रोड आइलैंड में रोजर विलियम्स से मिलते हैं। हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। तीसरी प्रतिक्रिया अमेरिकी ईसाई इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण महिलाओं में से एक की प्रतिक्रिया थी, और उसका नाम ऐनी हचिंसन था।

प्रतिक्रिया संख्या तीन, ऐनी हचिंसन। ठीक है, ऐनी हचिंसन बोस्टन समुदाय में रहती है, इसमें कोई संदेह नहीं है। तो, ऐनी हचिंसन ने दो काम किए जिससे प्यूरिटन उससे बहुत, बहुत, बहुत नाराज़ हो गए।

तो, मैं ऐनी हचिंसन द्वारा की गई दो बातों का उल्लेख करना चाहूँगा। पहला, ऐनी हचिंसन ने अपने घर में, अब यहाँ, अपने घर में, धर्मशास्त्रीय चर्चाओं और बाइबल अध्ययनों का नेतृत्व करना शुरू कर दिया, न केवल महिलाओं के साथ बल्कि अपने घर में पुरुषों के साथ भी। अब, इसने वास्तव में प्यूरिटन समाज के सामाजिक मानदंडों को खतरे में डाल दिया क्योंकि महिलाएँ धर्मशास्त्र नहीं पढ़ाती हैं।

महिलाएं बाइबल अध्ययन का नेतृत्व नहीं करतीं। महिलाएं धर्मशास्त्र के बारे में बात नहीं करतीं। यह पुरुषों का काम है।

यह महिलाओं के लिए सही जगह नहीं है। इसलिए, वह समुदाय में सभी तरह के सामाजिक मानदंडों और सामाजिक सीमाओं को तोड़ रही है, और वे इससे बहुत, बहुत खतरे में हैं। इसलिए, वह यहाँ एक खतरा है, नंबर एक।

नंबर दो, दूसरी जगह वह उनके लिए खतरा है क्योंकि वह पूर्वनियति के बजाय ईश्वर की कृपा के बारे में बहुत कुछ बोलना शुरू कर देती है। अब, प्यूरिटन पूर्वनियति में विश्वास करते थे। हम इस बारे में तब बात करेंगे जब हम उनके धर्मशास्त्र पर पहुंचेंगे।

लेकिन उसने पूर्वनियति के बजाय ईश्वर की कृपा और ईश्वर की कृपा के बारे में बहुत कुछ बोलना शुरू कर दिया, और शायद, हम यह भी कह सकते हैं कि ईश्वर की कृपा जो हर व्यक्ति को मिलती है। ईश्वर की यह कृपा, और इसलिए इस तरह की एंटीनोमियन चर्चाएँ जो वह अपने घर में कर रही थी, प्यूरिटन्स को बहुत खतरनाक लगीं, और इसलिए उन्होंने उसे मुकदमे में ले लिया। यह एक तरह से कलाकार द्वारा एन हचिंसन के मुकदमे की प्रस्तुति है।

उन्होंने एन हचिंसन पर मुकदमा चलाया और एन हचिंसन को बोस्टन समुदाय से बहिष्कृत कर दिया गया। तो एन हचिंसन कहाँ जाएँगी? मैं कहाँ जाऊँगी और एक महिला के रूप में बोलने और अपने धार्मिक विचारों को बोलने के लिए स्वतंत्र रहूँगी? मुझे जो चाहिए वो है आज़ादी। खैर, मैं रोड आइलैंड में रोजर विलियम्स से मिलने जा रही हूँ।

बेशक, यह बोस्टन समुदाय में वंचित लोगों के लिए शरण स्थल बन जाता है। तो, एन हचिंसन तीसरी तरह की प्रतिक्रिया है, प्यूरिटन और उनके काम करने के तरीके के प्रति तीसरा वास्तविक प्रतिरोध, और यहां तक कि प्यूरिटन धर्मशास्त्र के प्रति थोड़ा प्रतिरोध भी शुरू करता है। तो, रोजर विलियम्स पहले हैं, केकर दूसरे हैं, और एन हचिंसन तीसरे हैं।

ये प्यूरिटन्स और अन्य लोगों पर हमला करने के तीन बहुत बड़े तरीके हैं। ठीक है, इन तीनों के बारे में कोई सवाल है? अब, जैसा कि मैंने बताया, पहले दो, रोजर विलियम्स और केकर्स के साथ, हम पाठ्यक्रम में उनके बारे में बहुत अधिक बात करेंगे। तो यहीं, मैंने उनका उल्लेख प्यूरिटन्स के खिलाफ़ उनकी प्रतिकूल स्थिति के रूप में किया है, लेकिन हम उनके बारे में बहुत अधिक बात करेंगे।

मुझे आपसे पूछना शुरू करना होगा कि जब आप - ऑर्डर करें। ऑर्डर करें। बढ़िया।

खैर, मैरी डायर एक पूर्णतया विधर्मी थी - वह एक केकर थी। तो, मैरी डायर एक पूर्णतया विधर्मी थी, और आपको विधर्मियों को फांसी पर लटकाना ही होगा, बेशक, क्योंकि विधर्मी अंततः सामाजिक व्यवस्था को पूरी तरह से बिगाड़ देंगे। इसलिए, विधर्मियों को फांसी पर लटकाने का कारण सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखना है।

हालांकि, एन हचिंसन को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा गया, जिसके पास अजीब धार्मिक विचार थे, लेकिन उनमें से कुछ पर वैसे भी चर्चा की जा सकती है। इसलिए, उसे मैरी डायर की तरह पूरी तरह से विधर्मी नहीं माना गया। इसलिए, मैरी डायर के साथ सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए फांसी पर लटका दिया गया।

एन हचिंसन, हालाँकि, हमें अभी भी सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखना है, लेकिन हम उसे फाँसी नहीं देंगे क्योंकि वह इस धर्मशास्त्र को समझने की कोशिश कर रही है। लेकिन हमें उसे कहीं से तो निकालना ही होगा, इसलिए हम उसे बाहर फेंक देंगे, और वह रोड आइलैंड में शरण लेगी। इन लोगों की इस प्रतिक्रिया के बारे में कुछ और है।

आम तौर पर - आप में से कुछ लोग पहले भी मेरे साथ कोर्स में बैठ चुके होंगे, लेकिन कभी-कभी हम लिखने लगते हैं, और इसलिए मैं आपको पाँच सेकंड का ब्रेक देना पसंद करता हूँ। तो, पाँच सेकंड का ब्रेक लें। दरअसल, आम तौर पर, शुक्रवार को, मैं आपको दस सेकंड का ब्रेक देता हूँ, लेकिन चूँकि हम अभी कोर्स शुरू कर रहे हैं, इसलिए मैं आज ऐसा नहीं करूँगा।

लेकिन बस पाँच सेकंड का ब्रेक लें और अपने जीवन और जीवन में आप क्या कर रहे हैं और सब कुछ के बारे में सोचें। किसको उस उपस्थिति पत्रक की ज़रूरत है? क्या किसी को उपस्थिति पत्रक की ज़रूरत है? उपस्थिति पत्रक किसके पास है? यह कहाँ पहुँचा? यह कहाँ समाप्त हुआ? क्या किसी और को इसकी ज़रूरत है? और इस तरह, हमें यह पता चल जाएगा कि कौन अभी भी हमारे साथ है और क्या किसी ने पाठ्यक्रम जोड़ा है। बहुत बढ़िया।

तो, हम इस तरह से इसे सुलझा लेंगे। ठीक है, आज पाँच सेकंड का ब्रेक, लेकिन ज़्यादातर शुक्रवार को दस सेकंड का ब्रेक। तो, हम इसका आनंद ले रहे हैं।

हाँ, आगे बढ़ो। और हम सोमवार को नहीं मिलते। याद रखो, तुम्हें सोमवार की छुट्टी है, इसलिए सोमवार को कोई क्लास नहीं है।

तो अगला सप्ताह छोटा सप्ताह होने वाला है। मेरा मतलब है, बुधवार, शुक्रवार, सप्ताह खत्म हो गया है। तो, यह एक छोटा सप्ताह होने वाला है।

ओह, कोई समस्या नहीं। आप उस कोर्स के साथ जो चाहें कर सकते हैं। हाँ, हाँ, हाँ।

ठीक है, आपका दिल धन्य हो। क्या आप तैयार हैं? ठीक है। तो अब प्यूरिटन्स के प्रति प्रतिक्रिया।

अब, हमें प्यूरिटनवाद के पतन के बारे में बात करने की ज़रूरत है। प्यूरिटनवाद का पतन। तो, प्यूरिटनवाद के पतन के बारे में बात करने के लिए, आइए आधे रास्ते के अनुबंध पर उस दूसरे शब्द को देखें, और फिर आइए प्यूरिटनवाद के पतन के संदर्भ में मेरे पास जो दो प्रश्न हैं, उन पर नज़र डालें।

प्यूरिटनवाद का पतन वास्तव में उस चीज़ से प्रदर्शित होता है जिसे हाफवे कॉवनेंट कहा जाता है। हाफवे कॉवनेंट का विकास कांग्रेसनलिज़्म में हुआ था। याद रखें, ये लोग पहले से ही कांग्रेसनलिस्ट हैं।

हाफवे कॉवनेंट को 1657 और 1662 के बीच कांग्रेसनलिज़्म के भीतर विकसित किया गया था। और हाफवे कॉवनेंट में बहुत सारे नियम या चीज़ें थीं जिनके बारे में बात की गई थी, मुझे नहीं पता। हालाँकि, हाफवे कॉवनेंट एक ऐसा भत्ता था जो आपको चर्च का सदस्य बनने की अनुमति देता था यदि आप समुदाय में एक अच्छे नैतिक व्यक्ति थे।

इसलिए, यदि आप एक अच्छे नैतिक व्यक्ति, एक नैतिक व्यक्ति थे, तो आप चर्च के सदस्य हो सकते थे। हम आपको इस वाचा का सदस्य बनने की अनुमति देने जा रहे हैं। अब, यह शुरुआती प्यूरिटन के साथ सच नहीं होता क्योंकि शुरुआती प्यूरिटन दुनिया में, उनकी दुनिया में, आप चर्च के सदस्य तभी होते हैं जब आप विश्वास से मसीह के पुत्र या पुत्री होते हैं।

यदि आप यह प्रदर्शित कर सकते हैं या यदि आप अपने जीवन में यह स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं और प्रदर्शित कर सकते हैं कि आप विश्वास से ईश्वर के बच्चे हैं, कि आप विश्वास से ईश्वर के पुत्र के रूप में यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, और कि आप उनके बच्चे हैं, तो आप चर्च के सदस्य बन जाते हैं। यदि आप उस तरह की आस्था प्रतिबद्धता दे सकते हैं। हाफवे कॉवनेंट आपको चर्च का सदस्य बनने की अनुमति देता है यदि आप एक अच्छे व्यक्ति, नैतिक या नैतिक हैं।

आपको किसी भी तरह का स्पष्ट, स्पष्ट विश्वास देने की ज़रूरत नहीं है कि आप मसीह में विश्वास, मसीह में विश्वास, इत्यादि के द्वारा एक बच्चे हैं। फिर, आधे रास्ते की वाचा ने चर्च में बपतिस्मा लेने वाले लोगों के लिए भी रास्ता खोल दिया, जिनके माता-पिता ने बपतिस्मा नहीं लिया था। इसलिए आधे रास्ते की वाचा ने चर्च में उन बच्चों के बपतिस्मा की अनुमति दी जिनके माता-पिता ईसाई नहीं थे।

और इसलिए, आधे रास्ते की वाचा भी ऐसा होने की अनुमति देती है, जिसका अर्थ यह भी है कि लोग चर्च में बिना किसी स्पष्ट विरासत के आ रहे हैं कि उन्हें बच्चों के रूप में ईसाई चर्च में पाला

गया है और इसी तरह की अन्य बातें। इसलिए, आधे रास्ते की वाचा वास्तव में एक ऐसी वाचा थी जिसने चर्च में बहुत से ऐसे लोगों को अनुमति दी जिन्हें औपचारिक रूप से चर्च का सदस्य बनने की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसने प्रदर्शित किया, ओह, और मुझे यह भी कहना चाहिए, कि आधे रास्ते की वाचा किसी को भी भोज लेने की अनुमति देती है।

संस्कार लेने के लिए आपको आस्तिक होने की आवश्यकता नहीं है। संस्कार सबके लिए खुला था। यह एक खुला संस्कार है।

चर्च सेवा में शामिल कोई भी व्यक्ति, जब संस्कार के लिए बुलावा आता है, तो कोई भी व्यक्ति आगे आकर संस्कार ले सकता है। आपको चर्च का सदस्य होने की आवश्यकता नहीं है, जिसका अर्थ पुराने दिनों में यह था कि चर्च का सदस्य बनने के लिए आपको मसीह में आस्था का वचन दिया गया था। लेकिन अब आपको चर्च का सदस्य होने की आवश्यकता नहीं है।

तो, इसने चर्च को सभी प्रकार की सदस्यता के लिए खोल दिया, जिसकी पहले अनुमति नहीं थी। तो, इसे आधे रास्ते का अनुबंध कहा जाता है। और बहुत से लोगों के लिए आधे रास्ते का अनुबंध चर्च के बारे में जो कुछ भी है, उसमें कमी दर्शाता है, जिसके अनुसार, और प्यूरिटन अपने धर्मशास्त्र के लिए कहाँ गए? बाइबिल के अनुसार।

और इसलिए आधी-अधूरी वाचा प्यूरिटनवाद के पतन के संकेत के रूप में बहुत, बहुत समस्याग्रस्त हो जाती है। ठीक है। अब, प्यूरिटनवाद के इस पतन के साथ, दो सवाल पूछे जाने हैं।

पहले क्या आता है? धार्मिक उत्साह की कमी या धन की वृद्धि? तो, दूसरी पीढ़ी, तीसरी पीढ़ी और चौथी पीढ़ी के प्यूरिटन के साथ दो चीजें हुईं। पहली बात यह हुई कि वे बहुत अमीर हो गए। क्यों? प्यूरिटन मानसिकता का एक हिस्सा यह है कि आप इस जीवन में अपने व्यवसाय से भगवान की सेवा करते हैं, और आप जो पैसा कमाते हैं उसके साथ बहुत विवेकपूर्ण हैं।

आप जो पैसा कमाते हैं, उसके प्रति बहुत सावधान रहते हैं। आप उसे अपने ऊपर खर्च नहीं करते। आप उस पैसे को अपने व्यवसाय में लगाते हैं और चर्च में लगाते हैं।

तो इस तरह से आप भगवान की सेवा करते हैं। लेकिन दूसरी पीढ़ी, तीसरी पीढ़ी, चौथी पीढ़ी ने महसूस किया, ओह, शायद मुझे इस पैसे में से थोड़ा सा खुद पर खर्च करना चाहिए, आप जानते हैं? और इसलिए, धन की यह वृद्धि, और यदि आप सलेम जाते हैं, और यदि आप सलेम की कुछ सड़कों पर जाते हैं, तो वे उन खूबसूरत घरों में से कुछ को इंगित करने जा रहे हैं, चेस्टनट स्ट्रीट मुझे लगता है कि सलेम में उनमें से एक है, वे सलेम में उन खूबसूरत घरों में से कुछ को इंगित करने जा रहे हैं, जो विशाल घर हैं, सुंदर संरचनाएं हैं, और वे कहने जा रहे हैं कि ये प्यूरिटन घर हैं। खैर, वे प्यूरिटन घर हैं, लेकिन वे चौथी, पांचवीं, छठी पीढ़ी के प्यूरिटन घर हैं।

शुरुआती प्यूरिटन कभी भी अपने लिए ऐसा घर नहीं बनाते। इसलिए, धन में वृद्धि हुई। और इसके साथ ही धार्मिक उत्साह की कमी भी आई।

जब तक आप प्यूरिटन की दूसरी, तीसरी या चौथी पीढ़ी तक पहुँचते हैं, तब तक आपके पास पहली पीढ़ी या शायद दूसरी पीढ़ी का धार्मिक उत्साह नहीं होता। आप उसे खो चुके होते हैं। आपको सुसमाचार प्रचार में कोई दिलचस्पी नहीं होती।

आप लोगों को परमेश्वर के राज्य में लाने में रुचि नहीं रखते हैं। आप लोगों को अनुशासित करने में रुचि नहीं रखते हैं। तो, धार्मिक उत्साह की यह कमी जो बाइबल से प्यूरिटन द्वारा बनाई गई थी, आप जानते हैं, आपने पाया कि यह शायद तीसरी, चौथी पीढ़ी से शुरू हो रहा है।

ये दो चीजें हुईं, लेकिन हम नहीं जानते कि पहले कौन आया। तो क्या ऐसा था कि उनमें धार्मिक उत्साह की कमी थी, जिसके कारण उन्होंने खुद पर पैसा खर्च करने का फैसला किया, या फिर ऐसा था कि वे खुद पर इतना पैसा खर्च कर रहे थे कि वे बहुत ही आत्म-लीन हो गए और इसलिए उनमें अपने पूर्वजों और परदादी जैसा धार्मिक उत्साह नहीं था। मुर्गी या अंडा, कौन पहले आया, कौन जानता है।

लेकिन जो भी हुआ, 50 साल, 80 साल, 100 साल तक प्यूरिटनवाद में आमूलचूल गिरावट आ चुकी थी। और जब धार्मिक जीवन में इस तरह की गिरावट आती है, तो कुछ न कुछ तो उसकी जगह लेता ही है। इसलिए, हमें यह देखने में दिलचस्पी होगी कि उसकी जगह क्या लेता है।

ठीक है, आपका सप्ताहांत बहुत बढ़िया रहे, और हम अगले सप्ताह बुधवार और शुक्रवार को आपसे मिलेंगे। सभी को पाठ्यक्रम मिल गया है। मेरा मतलब है, सभी को शोध पत्र लिखना है।

सभी के पास फिनी का लेख है। तो, हम जाने के लिए तैयार हैं। हम तैयार हैं। ठीक है।

यह डॉ. रोजर ग्रीन हैं जो अमेरिकी ईसाई धर्म पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 1 है, अमेरिका में प्यूरिटनवाद।